

प्रेषक,

विजेन्द्र पाल
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक/निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड शासन।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 14 नवम्बर, 2007

विषय: श्रीनगर मेडिकल कालेज श्रीकोट, पौड़ी में सेंट्रल वर्कशाप हेतु उपकरणों आदि के कय के लिये धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-65/नियो/12/2006/टी.सी.27527, दिनांक 05/10/2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में निर्माणाधीन श्रीनगर मेडिकल कालेज श्रीकोट, पौड़ी में सेंट्रल वर्कशाप हेतु उपकरणों आदि के कय हेतु धनराशि ₹0 14.29 लाख (रु० चौदह लाख उनतीस हजार मात्र) की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि के व्यय करने से पूर्व उक्त धनराशि महानिदेशक/निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून के निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. व्यय वित्त समिति की बैठक दिनांक 26.06.2007 को आयोजित बैठक के कार्यवृत्त में श्रीनगर मेडिकल कालेज के निर्माण कार्य के लिए दिए गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
2. महानिदेशक/निदेशक चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत की जारी धनराशि का व्यय उसी मद में किया जाय जिस हेतु स्वीकृति की जा रही है।
3. उपकरणों के कय ख्याति प्राप्त फार्मों से टेन्डर प्रक्रिया पूर्ण कर डी0जी0एस0एन0डी0 की दरों पर की जाय। यदि डी0जी0एस0एन0डी0 की दरों उपलब्ध न हो, तो वित्तीय हस्तपुरितका खण्ड-5 के भाग-1 में उल्लिखित स्टोर पर्चेज रूल्स में उल्लिखित समस्त प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए टेन्डर प्रक्रिया की जाय।
4. उक्त उपकरणों हेतु स्वीकृत धनराशि शासनादेश के प्रस्तर-3 में उल्लिखित प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए महानिदेशक/निदेशक, चिकित्सा शिक्षा द्वारा धनराशि निर्माण एजेन्सी अपर परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लि० विद्युत इकाई श्रीनगर को नियमानुसार उपलब्ध करायी जाय।
5. उपकरणों का कय विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित विशिष्टताओं के आधार पर किया जाये। कय किये गये उपकरणों की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो।
6. उपकरणों हेतु कय प्रक्रिया में चिकित्सा विभाग के शासनादेश दिनांक 06-01-2003 में निर्दिष्ट उपकरणों की कय नीति का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायें तथा समस्त प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जाये।
7. आगणन में मदों को आपूर्ति हेतु दरें जिस कम्पनी की ली गयी हैं उसी कम्पनी से ही मदों की आपूर्ति लेना सुनिश्चित करें। आगणन में ली गयी दरें एवं गुणवत्ता का उत्तरदायित्व विभाग के अधीक्षण अभियन्ता का होगा।
8. उपकरणों के तकनीकी आधार पर प्रदर्शन की संस्तुष्टि के पश्चात ही उपकरणों का कय किया जायेगा।
9. उपकरणों का कय वास्तविक एवं तात्कालिक आवश्यकता के आधार पर प्राप्त निविदाओं में उल्लिखित तकनीकी विशिष्टताओं (Technical Specification) के मानकों की पूर्ण संस्तुष्टि के उपरान्त वित्तीय विशिष्टताओं में L-1

- फर्म से वार्षिक, मरम्मत कार्य Annual Maintenance Contract की की 3 वर्ष की शर्त के आधार पर किया जाये, लेकिन तकनीकी विशिष्टताओं(Technical Specification)व गुणवत्त से कोई समझौता न किया जाय।
10. उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनागत-05-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पारंपार्य चिकित्सा पद्धति-04-श्रीनगर मेडिकल कालेज -0401-श्रीनगर मेडिकल कालेज की स्थापना के मानक 26-मशीनें सज्जा/उपकरण और संयंत्र के नामें डाला जायेगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-532(P)/वित्त अनुभाग -3 /2007 दिनांक 13 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विजेन्द्र पाल)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, भाजरा, देहरादून।
2. सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, पौड़ी।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. कोषाधिकारी, पौड़ी।
7. मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी।
8. मुख्य चिकित्साधीक्षक, श्रीनगर बेस चिकित्सालय, श्रीनगर।
9. अपर परियोजना प्रबन्धक, अपर परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, लि० इकाई-2, श्रीनगर गढ़वाल।
10. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
11. वित्त नियंत्रक, महानिदेशालय, चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देहरादून।
12. वजेट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(अमकार सिंह)
अनु सचिव।